AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अनुभव के आधार पर भी नियुक्त होंगे शिक्षक

लविवि : औपचारिक डिग्री की नहीं पड़ेगी जरूरत, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियमावली तैयार करेगी समिति

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। नई शिक्षा नीति के तहत लखनऊ विवि और सहयुक्त कॉलेजों में भी अनुभव आधारित नियुक्तियां होंगी। इसकी नियमावली तैयार करने के लिए पूर्व कुलपति प्रो. बलराज चौहान की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। समिति को प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करनी है। इस समिति को विवि की परिनियमावली में संशोधन के प्रस्ताव का प्रारूप भी तैयार करना होगा।

लविवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत किसी क्षेत्र में विशिष्ट योग्यता या अनुभव रखने वाले व्यक्तियों को शिक्षक बनाने की बात कही गई है। इसे देखते हुए विश्व अनुदान आयोग ने दिशा-निर्देश जारी किया था। इसमें शिक्षक के रूप में ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करने की बात है जिनके पास भले ही औपचारिक डिग्री न हो, लेकिन वे उस क्षेत्र में महारत रखते हों। इस तरह की नियुक्ति अनुबंध के आधार पर कुछ समय के लिए हो सकती है।

इसे देखते हुए लविवि ने भी अपनी परिनियमावली में संशोधन की तैयारी शुरू कर दी है। इस संशोधन के प्रस्ताव का प्रारूप तैयार करने के लिए पूर्व कुलपति प्रो. बलराज की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति बनाई गई है। इस समिति में प्रो. चौहान के साथ ही प्रो. आरके माहेश्वरी, प्रो. अरूप चक्रवर्ती, प्रो. प्रमोद टंडन और प्रो. आरके सिंह शामिल हैं।

आईक्यूएसी का गठन

लविवि में इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल के नए सदस्यों की घोषणा कर दी है। कुलपति प्रो. आलोक राय की अध्यक्षता वाली इस समिति में सदस्य के रूप में कुलसचिव प्रशासनिक अधिकारी के रूप में होंगे। साथ ही प्रो. विनीता कोचर, प्रो. सत्येंद्र पाल सिंह, प्रो. विजय कुमार राय, डॉ. उर्वशी सिरोही, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. राजेश करवार, डॉ. आकांक्षा सिंह, डॉ. ऋषिकांत, प्रो. अश्विनी कुमार, मनमोहन राय, विनम्र अग्रवाल और निदेशक के रूप में प्रो. संगीता साहू आईक्यूएसी में शामिल हैं।

एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए नौ सदस्यीय समिति का गठन

लखनऊ। लविवि में नई शिक्षा नीति के तहत एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम के संचालन के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। विवि प्रशासन ने कला संकाय अध्यक्ष प्रो. अरविंद अवस्थी की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय समिति का गठन कर दिया है।

कुलसचिव संजय मेधावी की ओर से जारी आदेश के अनुसार, इस समिति में प्रो. पूनम टंडन, प्रो. विभूति राय, प्रो. अमिता बाजपेयी, प्रो. गीतांजलि मिश्रा, प्रो. बिमल जायसवाल, प्रो. राकेश चंद्रा, डॉ. मंजुला उपाध्याय और डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह को शामिल किया गया है। नई शिक्षा नीति के तहत चार साल का स्नातक करने के बाद परास्नातक की डिग्री अगले एक साल में मिल जाएगी। लविवि देशभर में सबसे पहले नई शिक्षा नीति लागू करने वाला विश्वविद्यालय बना है। इसके तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रमों की शुरुआत हो गई है। अब इसके परास्नातक पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है। (माई सिटी रिपोर्टर)

एक्सटेम्पोर में उत्सवी अव्वल

एलयू की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई की तरफ से जी-20 थीम पर मंगलवार एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। समन्वयक प्रो. पूनम, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अल्का मिश्रा की मौजूदगी में उत्सवी भाटिया ने पहला स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर कविता मिश्रा और अंशिका पाठक तीसरे स्थान पर रहीं। इस मौके पर चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह, एनएसएस को-ऑर्डिनेटर प्रो. रूपेश कुमार, प्रो. अमृतांशु शुक्ला, प्रो. मनोज शर्मा मौजूद रहे।

यूके में उच्च शिक्षा के विकल्पों पर हुई चर्चा :

एलयू में क्वींस यूनिवर्सिटी वेलफास्ट में उच्च शिक्षा के विकल्प पर मंगलवार को सेमिनार हुआ। इंजिनियरिंग संकाय के डीन प्रो. एके सिंह की अध्यक्षता में आयोजित सेमिनार में क्वींस यूनिवर्सिटी वेलफास्ट की इंटरनैशनल मैनेजर अफसाना परवीन के साथ बड़ी संख्या में शिक्षक व विद्यार्थी शामिल हुए।

NBT PAGE 4

लविवि: पीजी प्रोग्राम अध्यादेश का प्रारूप तैयार करने को समिति गठित

■ एनबीटी सं., लखनऊ : एलयू में एक वर्षीय पीजी प्रोग्राम अध्यादेश का प्रारूप तैयार करने के लिए समिति का गठन कर दिया गया है। डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि चार वर्ष का यूजी करने वाले स्टूडेंट्स अब 1 वर्ष का पीजी करेंगे।

रजिस्ट्रार संजय मेधावी के अनुसार कला संकाय के अध्यक्ष प्रो. अरविन्द अवस्थी को समिति का अध्यक्ष बनाया गया। इसके साथ ही प्रो. पूनम टंडन, प्रो. विभूति राय, प्रो. अमिता बाजपेई, प्रो. गीतांजलि मिश्रा, प्रो. विमल जायसवाल, प्रो. राकेश चन्द्रा, नवयुग की प्राचार्या डा. मंजुला उपाध्याय, नेशनल के प्राचार्य डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

प्रफेसर ऑफ प्रैक्टिस के लिए भी समिति : विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में यूजीसी की गाइडलाइंस के अनुसार प्रफेसर ऑफ प्रैक्टिस को शामिल किया जाना है। इसे देखते हुए एलयू में प्रफेसर ऑफ प्रैक्टिस के लिए समिति का गठन कर दिया गया है। रजिस्ट्रार संजय मेधावी के मुताबिक वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के आदेश पर सेवानिवृत प्रो. बलराज चौहान को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. आरके महेश्वरी, समाज कार्य विभाग प्रो. आरके सिंह के साथ ही रियायर्ड प्रो. आरूप चक्रवर्ती, प्रो. प्रमोद टण्डन को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

आईक्यूएसी का गठन

एलयू में इंटरनल क्वॉलिटी अश्योरेंस सेल (आईक्यूएसी) का गठन कर दिया गया है। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय को चेयरमैन बनाया गया है। सदस्य के रूप में रजिस्ट्रार संजय मेधावी, प्रो. विनीता, प्रो. सत्येन्द्र पाल सिंह, प्रो. विजय कुमार राय, डॉ. उर्वशी सिरोही, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ.राजेश कुमार, डॉ. अकांक्षा सिंह, डॉ. ऋषि कांत, आईआईएम लखनऊ के प्रो. अश्वनी कुमार और पत्रकार मनमोहन राय को शामिल किया गया है। इसके साथ ही प्रो. संगीता साहू को डायरेक्टर का जिम्मा सौंपा गया है। स्टूडेंट्स प्रखर सिंह यादव और तनीषा श्रीवास्तव को भी सदस्य मंडल में रखा गया है।

एलयू: 7 तक भरे जाएंगे पीएचडी के प्रवेश फॉर्म

■ एनबीटी सं., लखनऊ : एलयू ने पीएचडी के प्रवेश फॉर्म भरने की तारीख बढ़ा दी है। अब 7 फरवरी तक ऑनलाइन फॉर्म भरे जा सकेंगे। एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक जनरल, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए 2000 रुपये जबकि एससी/एसटी और दिव्यांगों के लिए 1000 रुपये फीस निर्धारित की गई है। एलयू की वेबसाइट के साथ ही ऐप डाउनलोड कर फॉर्म भरा जा सकते हैं। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर हेल्पलाइन नंबर 0522-4150500 पर सुबह 10 से शाम 6 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

लविवि ने बढ़ाई पीएचडी आवेदन की अंतिम तिथि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने पीएचडी के ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तारीख बढ़ाकर सात फरवरी कर दी है।

विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार, ऑनलाइन आवेदन फॉर्म संबंधी जानकारी विवि की वेबसाइट पर जाकर प्राप्त की जा सकती है। सामान्य व ओबीसी वर्ग के लिए आवेदन शुल्क दो हजार रुपये और एससी-एसटी व दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए एक हजार रुपये निर्धारित किया गया है।

विदेशों में भी हैं उच्च शिक्षा के विकल्प

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से मंगलवार को लविवि में 'उच्च शिक्षा के विकल्प' विषय पर सेमिनार हुआ। इसमें विवि की इंटरनेशनल मैनेजर अफसाना परवीन ने विदेशी विवि में उच्च शिक्षा के विकल्प और इसकी प्रक्रिया के बारे में बताया। अध्यक्षता इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रो. एके सिंह और संचालन डॉ. हिमांशु पांडेय ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 5

एलयू: सात फरवरी तक भर सकेंगे रेगुलर पीएचडी फॉर्म

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2022-23 के लिए पीएचडी रेगुलर के ऑनलाइन फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 31 से बढ़ाकर सात फरवरी कर दी है। पीआरओ डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक जनरल, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अभ्यर्थियों को 2000 रुपये फीस जमा करनी है। वहीं एससी/एसटी और दिव्यांग अभ्यर्थियों को 1000 रुपये फीस जमा करनी होगी। उन्होंने बताया कि पीएचडी रेगुलर में 1228 सीटें हैं।

कमेटी गठित: विश्वविद्यालय में एक वर्षीय पीजी प्रोग्राम अध्यादेश का प्रारूप तैयार करने के लिए समिति गठित की गई। कुलसचिव द्वारा जारी पत्र में कला संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. अरविन्द अवस्थी को समिति का अध्यक्ष बनाया गया।

एलयू में आईक्यूएसी का गठन किया गया

लखनऊ। एलयू ने इंटरनल क्वालिटी अश्योरेंस सेल का गठन कर दिया है। इस सेल के चेयरमैन वीसी प्रो. आलोक कुमार राय हैं। इसके अलावा रजिस्ट्रार संजय मेधावी, प्रो. विनीता, प्रो. सतेन्द्र पाल सिंह, प्रो. विजय कुमार राय, डॉ. उर्वशी सिरोही, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. आकांक्षा सिंह, डॉ. ऋषि कांत, आईआईएम लखनऊ के प्रो. अश्वनी कुमार समेत अन्य शामिल हैं।

यूके में उच्च शिक्षा के विकल्पों पर हुई चर्चा

लखनऊ। क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट की इंटरनेशनल मैनेजर अफसाना परवीन ने बताया कि 1845 में स्थापित क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट आज द कंप्लीट यूनिवर्सिटी गाइड 2022 रैंकिंग के अनुसार दुनिया के टॉप विवि में 34 रैंक पर है। उन्होंने कहा कि यह यूनिवर्सिटी यूके के रसैल ग्रुप का हिस्सा है। रिसर्च और एजुकेशन के क्षेत्र में छात्रों के लिए सबसे लोकप्रिय विवि में एक है।

एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में जीती छात्रा उत्सवी

लखनऊ। एलयू की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई की ओर से जी-20 थीम पर मंगलवार को एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। यहां विवि कनेक्ट प्रोग्राम की समन्वयक प्रो. पूनम, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अल्का मिश्रा मौजूद रहीं। इसमें प्रथम स्थान उत्सवी भाटिया, द्वितीय कविता मिश्रा, तृतीय अंशिका पाठक और प्राची सिंह, कार्तिक शुक्ला व मनोकामना ने सांत्वना पुरस्कार जीता।

जी-20 की थीम पर हुई प्रतियोगिताएं

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से जी-20 थीम पर आधारित एक्सटेमपोर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान उत्सवी भाटिया, द्वितीय कविता मिश्रा, तृतीय अंशिका पाठक व प्राची सिंह को, कार्तिक शुक्ला और मनोकामना पांडेय ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

इस मौके पर चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह के साथ ही प्रो. पूनम टंडन, प्रो. रूपेश कुमार, प्रो. अमृतांशु शुक्ला और प्रो. मनोज शर्मा उपस्थित रहे। वहीं ललित कला संकाय की ओर से एक कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें ललित कला संकाय के फाइन आर्ट विभाग, व्यापारिक कला विभाग, मूर्तिकला विभाग तथा टेक्सटाइल डिजाइन के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसका शुभारंभ किया।

भाषा विवि में निबंध प्रतियोगिता

लखनऊ। ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में मंगलवार को जी-20 की थीम पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ. प्रवीण कुमार राय, डॉ. जमाल रिजवी, डॉ. अब्दुल हफीज और डॉ. राहुल मिश्रा ने जी-20 के सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक महत्व के बारे में विस्तार से बताया। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE 2

लखनऊ विश्वविद्यालय में नए परास्नातक पाठ्यक्रम की शुरुआत

एलयू में एक साल का पीजी

LUCKNOW (31 Jan) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय अब एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम की शुरुआत करेगा. यह कोर्स उन छात्र-छात्राओं के लिए होगा, जो चार वर्षीय स्नातक की पढ़ाई करेंगे. एक वर्षीय कोर्स का अध्यादेश बनाने के लिए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के आदेश पर नौ सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है. कमेटी अध्यादेश का प्रारूप बनाकर अपनी रिपोर्ट देगी, जिस पर आगे की प्रक्रिया अपनाई जाएगी.

GOOD NEWS

● राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एक वर्षीय पीजी प्रोग्राम अध्यादेश का प्रारूप तैयार करने के लिए बनी कमेटी

अध्यादेश का प्रारूप तैयार करने के लिए कमेटी बनी, जो जल्द कार्य शुरू करेगी

जल्द अपना काम शुरू करेगी कमेटी

एलयू ने वर्ष 2020 में सबसे पहले परास्नातक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की थी. उसके बाद सत्र 2021-22 से स्नातक में इसकी शुरुआत की गई. डीन एकेडमिक एवं अध्यादेश के लिए बनी कमेटी की सदस्य प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि अभी तक की व्यवस्था के अनुसार स्नातक में एक साल की पढ़ाई करने पर सर्टिफिकेट, दो साल में यूजी डिप्लोमा, तीसरे साल में डिग्री और चार साल पर यूजी विथ रिसर्च का प्राविधान है. अब जो छात्र-छात्राएं चार साल में यूजी विथ रिसर्च करेंगे, उन्हें एक वर्षीय पीजी कोर्स के बाद परास्नातक की डिग्री दी जाएगी. इसके अध्यादेश का प्रारूप तैयार करने के लिए कमेटी बना दी गई है, जो जल्द अपना कार्य शुरू करेगी.

अध्यादेश की मंजूरी के बाद बनेगा कोर्स

प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अध्यादेश को एकेडमिक काउंसिल, कार्य परिषद फिर कुलाधिपति के पास भेजकर मंजूरी ली जाएगी. उसके बाद सभी विभाग अपने-अपने परास्नातक विषय का पाठ्यक्रम बनाएंगे.

● **कमेटी**

अध्यक्ष, प्रो. अरविंद अवस्थी-संकायाध्यक्ष कला संकाय, सदस्य के रूप में प्रो. पूनम टंडन-डीन एकेडमिक, प्रो. विभूति राय-भूगर्भ विज्ञान विभाग, प्रो. अमिता बाजपेई-शिक्षा संकाय, प्रो. गीतांजलि मिश्रा-प्राणी विज्ञान विभाग, प्रो. बिमल जायसवाल-व्यावहारिक अर्थशास्त्र, प्रो. राकेश चंद्रा-दर्शन शास्त्र विभाग, डा. मंजुला उपाध्याय-प्राचार्या नवयुग कन्या महाविद्यालय, प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह प्राचार्य-नेशनल पीजी कालेज को शामिल किया गया है.

प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस बनेंगे इंडस्ट्री के विशेषज्ञ

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के आदेश पर कमेटी का गठन कर दिया गया

LUCKNOW: एलयू में अब इंडस्ट्री के एक्सपर्ट प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस के रूप में पढ़ाने एवं अपने अनुभव साझा करने आएंगे. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से निर्धारित गाइडलाइंस के तहत प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस के तहत उन्हें शामिल किया जाएगा. इसके लिए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के आदेश पर कमेटी का गठन कर दिया गया है.

अपने अनुभव साझा करेंगे

कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस के तहत कोई भी विशेषज्ञ इंडस्ट्री मे काम कर रहा है, उन्हें शार्ट टर्म असाइनमेंट में बुलाया जाएगा. वह अपने अनुभव साझा करेंगे. इसके लिए क्या नियम होंगे, यह तय करने के लिए कमेटी बनाई गई है. इसमें विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर बलराज चौहान की अध्यक्ष, वाणिज्य संकाय के डीन प्रोफेसर आरके महेश्वरी, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग के सेवानिवृत्त शिक्षक प्रोफेसर आरूप चक्रवर्ती, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय शिलांग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रमोद टंडन और समाज कार्य विभाग के प्रोफेसर आरके सिंह को बतौर सदस्य शामिल किया गया है. कमेटी परिनियमावली में प्रस्तावित संशोधन का प्रस्ताव तैयार करके अपनी रिपोर्ट देगी.

एलयू ने पीएचडी डेट 7 फरवरी की

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी ने शैक्षिक सत्र 2022-23 के लिए रेगुलर पीएचडी की डेट 7 फरवरी कर दी है. इससे पहले आवेदन की आखिरी तारीख 31 जनवरी थी. एलयू के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कैंडीडेट एलयू की वेबसाइट पर एडमिशन पेज पर जाकर और जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर हेल्पलाइन नंबर 0522-4150500 पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक जानकारी हासिल की जा सकती है.

कमेटी के अध्यक्ष बने प्रो. बलराज

LUCKNOW : यूजीसी की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार, मंगलवार को प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस को शामिल करते हुए एलयू वीसी ने कमेटी गठित कर दी है. कमेटी के अध्यक्ष एलयू के रिटायर्ड प्रोफेसर बलराज चौहान, सदस्य में प्रो. आरके माहेश्वरी, प्रो. आरूप चक्रवर्ती, प्रो. प्रमोद टंडन और प्रो. आरके सिंह को शामिल किया गया है. कमेटी के सदस्यों को कुलसचिव संजय मेधावी ने यूनिवर्सिटी व कॉलेजों यूजीसी की गाइडलाइन के अनुरूप प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस को शामिल करने के लिए परिनियमावली में संशोधन का प्रारूप तैयार करने के निर्देश दिए हैं.

JAGRAN CITY PAGE I

लवि में हुआ सेमिनार

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से मंगलवार को क्वींस यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट में उच्च शिक्षा के विकल्प विषय पर सेमिनार हुआ। यूनिवर्सिटी की इंटरनेशनल मैनेजर अफसाना परवीन ने संस्थान के विषय में विस्तार से जानकारी दी। (जासं)

बनाई आइक्यूएससी की टीम

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को नए सिरे से इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आइक्यूएसी) का गठन कर दिया। सेल के चेयरमैन कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय होंगे। वहीं, डायरेक्ट और सदस्य सचिव की जिम्मेदारी प्रोफेसर संगीता साहू के पास है। कुलसचिव संजय मेधावी ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। (जासं)

JAGRAN CITY PAGE II

एक साल का पीजी कोर्स शुरू करेगा लखनऊ विश्वविद्यालय

जासं, लखनऊ: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम की शुरुआत करेगा। यह कोर्स उन छात्र-छात्राओं के लिए होगा, जो चार वर्षीय स्नातक की पढ़ाई करेंगे। एक वर्षीय कोर्स का अध्यादेश बनाने के लिए कुलपति प्रो आलोक राय के आदेश पर नौ सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है। कमेटी अध्यादेश का प्रारूप बनाकर रिपोर्ट देगी, जिस पर आगे की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

डीन एकेडमिक एवं अध्यादेश के लिए बनी कमेटी की सदस्य प्रो पूनम टंडन ने बताया कि अब जो छात्र-छात्राएं चार साल में यूजी विथ रिसर्च करेंगे, उन्हें एक वर्षीय पीजी कोर्स के बाद परास्नातक की डिग्री दी जाएगी। इसके अध्यादेश का प्रारूप तैयार करने के लिए कमेटी बना दी गई है, जो जल्द अपना कार्य शुरू करेगी। अध्यादेश को एकेडमिक काउंसिल, कार्य परिषद फिर कुलाधिपति के पास भेजकर मंजूरी ली जाएगी। उसके बाद सभी विभाग अपने-अपने परास्नातक विषय का पाठ्यक्रम बनाएंगे।

कमेटी : अध्यक्ष, प्रो. अरविंद अवस्थी-संकायाध्यक्ष कला संकाय, सदस्य के रूप में प्रो. पूनम टंडन-डीन एकेडमिक, प्रो. विभूति राय-भूगर्भ विज्ञान विभाग, प्रो. अमिता बाजपेई-शिक्षा संकाय, प्रो. गीतांजलि मिश्रा-प्राणी विज्ञान विभाग, प्रो. बिमल जायसवाल-व्यावहारिक अर्थशास्त्र, प्रो. राकेश चंद्रा-दर्शन शास्त्र विभाग, डा. मंजुला उपाध्याय-प्राचार्या नवयुग कन्या महाविद्यालय, प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह प्राचार्य-नेशनल पीजी कालेज को शामिल किया गया है।

क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग की तैयारी, छह तक होंगे आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) नेशनल इंस्टीट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) के बाद अब क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) वर्ल्ड रैंकिंग की आवेदन प्रक्रिया पूरी करने में जुटा है। लवि समेत चार राज्य विश्वविद्यालय आवेदन कर रहे हैं। इनमें केजीएमयू, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ और मदन मोहन मालवीय यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी गोरखपुर शामिल हैं। उपक्रम की टीम इन संस्थानों का डेटा एनालिस कर रही है ताकि उसे रैंकिंग के लिहाज से और बेहतर किया जा सके।

उप्र सेंटर फार रैंकिंग एंड एक्रीडिटेशन मेंटरशिप (उपक्रम) की महानिदेशक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय क्यूएस एशिया रैंकिंग में है। वहीं, मेडिकल के क्षेत्र में पीजीआइ और केजीएमयू का नाम है। चारो विश्वविद्यालय पहले फेज का आवेदन कर चुके हैं। छह फरवरी तक इसकी प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस बनेंगे इंडस्ट्री के विशेषज्ञ

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में अब इंडस्ट्री के एक्सपर्ट प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस के रूप में पढ़ाने एवं अपने अनुभव साझा करने आएंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से निर्धारित गाइडलाइंस के तहत प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस के तहत उन्हें शामिल किया जाएगा। इसके लिए कुलपति प्रो आलोक राय के आदेश पर कमेटी का गठन कर दिया गया है। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस के तहत कोई भी विशेषज्ञ इंडस्ट्री में काम कर रहा है, उन्हें शार्ट टर्म असाइनमेंट में बुलाया जाएगा।

PIONEER PAGE 3

एलयू में लागू होगा प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस

● विवि के सेवानिवृत डीन लॉ की अध्यक्षता में कमेटी गठित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अब आप बिना पीएचडी किये भी लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्यापन कर सकेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा एक्सपर्ट को प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस (पीओपी) के पद पर मंजूरी दिये जाने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने इसे लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए विवि के कुलसचिव की तरफ से सेवानिवृत डीन लॉ की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गयी है।

विवि के कुलसचिव संजय मेधावी की तरफ से जारी आदेश में सेवानिवृत प्रो बलराज चौहान को कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। जबकि सदस्य के रूप में वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो. आरके माहेश्वरी, सेवानिवृत प्रो आरूप चक्रवर्ती, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय शिलांग के सेवानिवृत प्रो प्रमोद टंडन व प्रो. आर के सिंह शामिल हैं। गठित समिति विश्वविद्यालय सहित कालेजों में यूजीसी गाइडलाइन अनुरूप परिनियमावली में संशोधन के लिए ड्राफ्ट तैयार करेगी। प्रोफेसर आफ प्रेक्टिस के तहत एक्सपर्ट की नियुक्ति चार वर्ष के लिए होगी। हालांकि पीओपी के तहत नियुक्ति तीन वर्ष की ही है। एक वर्ष सेवा विस्तार के लिए है। इसके लिए उच्च शिक्षा संस्थान कुल सीटों के 10 प्रतिशत सीटों पर एक्सपर्ट की नियुक्ति कर सकेंगे। यूजीसी द्वारा जारी नये दिशा-निर्देशों के अनुसार उच्च शिक्षा संस्थानों में किसी फैकल्टी पद पर अब बिना औपचारिक शैक्षणिक योग्यता के भी औद्योगिक और विषय से सम्बन्धित एक्सपर्ट्स की नियुक्ति प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के रूप में की जा सकती है। लेकिन पीओपी की नियुक्ति से नियमित नियुक्तियां प्रभावित नहीं होनी चाहिए। इसके अंतर्गत इंजीनियरिंग, विज्ञान, मीडिया, साहित्य, उद्यम, समाज विज्ञान, ललित कला, सिविल सेवक और सैन्य बलों के पेशेवर प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के तौर पर नियुक्त किए जा सकेंगे।

सेवानिवृत शिक्षक नहीं बन सकेंगे पीओपी: पीओपी के तौर पर उन लोगों को नियुक्त नहीं किया सकता, जो पहले से ही शिक्षण के पेशे में हैं या इस पेशे से सेवानिवृत्त हुए हैं। वहीं अपने क्षेत्रों में वरिष्ठ पदों पर मौजूद कम से कम 15 वर्ष का अनुभव रखने वाले पेशेवरों को प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के तौर पर नियुक्त किया जा सकेगा। यूजीसी के निर्देशों के मुताबिक कुलपति, प्रिंसिपल या निदेशक पीओपी के लिए प्रख्यात विशेषज्ञों से नामांकन आमंत्रित कर सकते हैं। विशेषज्ञ संस्थान और छात्रों के लिए अपने अनुभव से क्या दे सकते हैं इसकी रूपरेखा के साथ अपना विस्तृत बायोडाटा भेजेंगे। जिसे एक चयन समिति के सामने रखा जाएगा, जिसमें संस्थान के दो वरिष्ठ प्रोफेसर और एक प्रतिष्ठित बाहरी सदस्य शामिल होगा। समिति की सिफारिश के आधार पर संस्थान की अकादमिक व कार्यकारी परिषद नियुक्ति पर फैसला करेगी।

क्वींस यूनिवर्सिटी में उच्च शिक्षा के विकल्प पर सेमिनार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट में उच्च शिक्षा के विकल्प विषय पर 31 जनवरी 2023 को सेमिनार आयोजित हुआ। सेमीनार में क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट की इंटरनेशनल मैनेजर अफसाना परवीन ने बताया की सन् 1845 में स्थापित क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट आज द कंप्लीट युनिवर्सिटी गाइड 2022 रैंकिंग के अनुसार दुनिया के टॉप विश्वविद्यालयों में 34 रैंक पर है। उन्होंने यह भी बताया कि यह यूनिवर्सिटी यूके के रसैल ग्रुप का हिस्सा है एवं रिसर्च और एजुकेशन के क्षेत्र में छात्रों के लिए सबसे लोकप्रिय और पसंदीदा विश्वविद्यालयों में से एक है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

क्वींस यूनिवर्सिटी उच्च शिक्षा के लिए बेहतर

क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट की इंटरनेशनल मैनेजर अफसाना परवीन को सम्मानित करते डीन प्रो. एके सिंह। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से मंगलवार को 'क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट में उच्च शिक्षा के विकल्प' विषय पर सेमिनार आयोजित हुआ।

इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रो. एके सिंह की अध्यक्षता में हुए इस सेमीनार में क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट की इंटरनेशनल मैनेजर अफसाना परवीन ने बताया कि सन् 1845 में स्थापित क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट द कंप्लीट युनिवर्सिटी गाइड 2022 रैंकिंग के अनुसार दुनिया के टॉप विश्वविद्यालयों में 34वें रैंक पर है।

यह यूनिवर्सिटी यूके के रसैल ग्रुप का हिस्सा है एवं रिसर्च और एजुकेशन के क्षेत्र में छात्रों के लिए सबसे लोकप्रिय और पसंदीदा विश्वविद्यालयों में से एक है। उन्होंने क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट में इंजीनियरिंग में परास्नातक कोर्स के लिए उपलब्ध कोर्सेस, आवश्यक योग्यता, फीस, रहने की लागत, आवश्यक टेस्ट स्कोर, आवदेन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, स्कॉलरशिप योजनाएं, प्लेसमेंट्स और यूके में पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा जैसे गहन मुद्दों पर छात्रों का मार्गदर्शन किया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

जी-20 समूह के प्रचार के लिए लगी कला प्रदर्शनी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में ललित कला संकाय द्वारा भारत की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 समूह को प्रचार एवं प्रसार के लिए महाविद्यालय परिसर में छात्रों की एक कला प्रदर्शनी का आयोजन मंगलवार को किया। इसमें संकाय के फाइन आर